औषधीय एवं सुगंध पौधों पर तकनीकी प्रशिक्षण

भा.वा.अ.शि.प.-पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केन्द्र, प्रयागराज तथा सी.एस.आई.आर.- सीमैप, लखनऊ के संयुक्त तत्वाधान में दिनांक 23.08.2024 को सी.एस.आई.आर.-एरोमा मिशन परियोजना तथा सिडबी सह-परियोजना के अन्तर्गत **"आर्थिक रूप से महत्वपूर्ण औषधीय एवं सुगंध पौधों"** पर एक दिवसीय कौशल-सह-तकनीकी प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन केन्द्र की अनुसंधान पौधशाला, पडिला, प्रयागराज में किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अनिल कुमार शर्मा, असिस्टेंट जनरल मैनेजर, नाबार्ड, प्रयागराज, सीमैप के प्रधान वैज्ञानिकों एवं केन्द्र प्रमुख डॉ. संजय सिंह द्वारा दीप प्रज्जवलन के साथ आरम्भ हुआ। केन्द्र प्रमुख डॉ. सिंह ने अपने स्वागत भाषण में आयोजित कार्यक्रम पर चर्चा करते हुए एरोमा मिशन परियोजना तथा सिडबी सह-परियोजना के मुख्य उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। उन्होने बताया कि कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य किसानों को औषधीय एवं सगंध पौधों की खेती के प्रति जागरूक करना तथा उनकी आय में वृद्धि करना है तथा कौशल विकास के माध्यम से आय में बढ़ोत्तरी के अवसर प्रदान करना है। मुख्य अतिथि अनिल कुमार शर्मा ने उपस्थित प्रतिभागियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि औषधीय एवं सुगंधित पौधों की मूल्य श्रृंखला के हर चरण का समर्थन करने वाला एक मजबूत पारिस्थितिकी तंत्र बनाना आवश्यक है, जो व्यक्तियों और संस्थाओं की सहभागिता से सम्भव होगा। केन्द्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अनीता तोमर ने आयोजित कार्यक्रम की रूपरेखा से अवगत कराते हुए केन्द्र के उद्देश्य एवं गतिविधियों पर प्रकाश डाला। सीमैप के वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक, डॉ. संजय कुमार ने सुगंधित घासों के उत्पादन की उन्नत कृषि क्रियाओं पर विस्तृत चर्चा करते हुए उन्होने बताया कि भारतवर्ष में एरोमा मिशन के अन्तर्गत 36000 हेक्टेअर से अधिक क्षेत्रफल में सुगंधित फसलों की खेती को बढ़ावा दिया गया है। इसी क्रम में सीमैप के डॉ. रमेश कुमार श्रीवास्तव ने गुलाब, जिरेनियम तथा कैमोमिल की उत्पादन की उन्नत कृषि क्रियाओं पर तथा केन्द्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अनुभा श्रीवास्तव ने कृषकों की आर्थिक समृद्धि हेतु सदाबहार की खेती विषय पर जानकारी साझा किया। सीमैप के राम प्रवेश यादव ने कालमेघ एवं सतावर के उत्पादन की उन्नत कृषि पद्धति के विषय में जानकारी दी। डॉ. अनीता तोमर ने कृषकों की आर्थिक समृद्धि हेतु चन्दन को लगाने तथा उससे होने वाले लाभ पर व्याख्यान प्रस्तुत किया। उपस्थित प्रतिभागियों को पौधशाला भ्रमण वैज्ञानिक आलोक यादव द्वारा कराया गया, जिसमें विभिन्न औषधीय पौधों की व्यावहारिक जानकारी दी गयी। कार्यक्रम में केन्द्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. कुमुद दूबे, वरिष्ठ तकीनीकी अधिकारी, डॉ. एस.डी. शुक्ला, तकनीकी अधिकारी रतन कुमार गुप्ता, तकनीकी सहायक धर्मेन्द्र कुमार के साथ 100 से अधिक कृषक एवं शोधछात्र आदि उपस्थित थे।

फूलों से अगरबत्ती बनाने पर एक दिवसीय प्रशिक्षण

कृषकों की आय को बढ़ाने के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम में उपस्थित कृषक महिलाओं को सी.एस.आई.आर.-सीमैप, लखनऊ के वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक डॉ. रमेश कुमार श्रीवास्तव द्वारा फूलों से अगरबत्ती बनाने हेतु प्रशिक्षित किया। डॉ. श्रीवास्तव ने बताया कि इस व्यापार को कम खर्च में प्रारम्भ किया जा सकता हैं।

sidbi

CSIR - CIMAP
sidbi
कौशल - सह - तकनीकी प्रशिक्षण कार्यक्रम
अनीता तोमर
संजय सिंह
अनिल कुमार शर्मा
संजय कुमार

CSIR - CIMAP
आर्थिक रूप से
कौशल - सह -
ICFRE -ERC
अनीता तोमर

sidbi
आर्थिक रूप से महत्वपूर्ण औषधीय एवं
ICFRE -ERC
भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद
INDIAN COUNCIL OF FORESTRY RESEARCH AND EDUCATION

ICFRE -ERC

ICFRE -ERC

औषधीय एवं सुगंध पौधों पर तकनीकी प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

बालजी दैनिक

प्रयागराज –भा.वा.अ.शि.प.–पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केन्द्र, प्रयागराज तथा सी.एस.आई.आर.–सीमैप, लखनऊ के संयुक्त तत्वाधान में दिनांक 23 अगस्त 2024 को सी.एस.आई.आर.–एरोमा मिशन परियोजना तथा सिडबी सह–परियोजना के अन्तर्गत आर्थिक रूप से महत्वपूर्ण औषधीय एवं सुगंध पौधों विषय पर एक दिवसीय कौशल–सह–तकनीकी प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन केन्द्र की अनुसंधान पौधशाला, पडिला, प्रयागराज में किया गया। कार्यक्रम मुख्य अतिथि अनिल कुमार शर्मा, असिस्टेंट जनरल मैनेजर, नाबार्ड, प्रयागराज, सीमैप के प्रधान वैज्ञानिक गण एवं केन्द्र प्रमुख डॉ. संजय सिंह द्वारा दीप प्रज्जवलन के साथ आरम्भ हुआ। केन्द्र प्रमुख डॉ. सिंह ने स्वागत भाषण में आयोजित कार्यक्रम पर चर्चा करते हुए एरोमा मिशन परियोजना तथा सिडबी सह–परियोजना के मुख्य उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य किसानों को औषधीय एवं सगंध पौधों की खेती के प्रति जागरूक करना तथा उनकी आय में वृद्धि करना है तथा कौशल विकास के माध्यम से आय में बढ़ोत्तरी के अवसर प्रदान करना है। मुख्य अतिथि अनिल कुमार शर्मा ने उपस्थित प्रतिभागियों को सम्बोधित करते हुये कहा कि औषधीय और सुगंधित पौधों की मूल्य श्रृंखला के हर चरण का समर्थन करने वाला एक मजबूत पारिस्थितिकी तंत्र बनाना आवश्यक है, जो व्यक्तियों और संस्थाओं की सहभागिता से संभव होगा। केन्द्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अनीता तोमर ने आयोजित कार्यक्रम की रूपरेखा से अवगत कराते हुए केन्द्र के उद्देश्य एवं गतिविधियों पर प्रकाश डाला।वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक, सीमैप, डॉ. संजय कुमार ने सुगंधित घासों के उत्पादन की उन्नत कृषि क्रियाओं पर विस्तृत चर्चा करते हुए, उन्होंने बताया कि भारतवर्ष में एरोमा मिशन के अंतर्गत 36000 हेक्टेयर से अधिक क्षेत्रफल में सुगंधित फसलों की खेती को बढ़ावा दिया गया है।इसी क्रम में सीमैप के डॉ. रमेश कुमार श्रीवास्तव ने गुलाब, जिरेनियम तथा कैमोमिल की उत्पादन की उन्नत कृषि क्रियाओं पर तथा केन्द्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अनुभा श्रीवास्तव ने कृषकों की आर्थिक समृद्धि हेतु सदाबहार की खेती विषय पर जानकारी साझा की। सीमैप के राम प्रवेश यादव ने कालमेघ एवं सतावर के उत्पादन की उन्नत कृषि पद्धति के विषय में जानकारी दी। डॉ. अनीता तोमर ने कृषकों की आर्थिक समुद्धि हेतु चन्दन को लगाने तथा उससे होने वाले लाभ पर व्याख्यान दिया।

औषधीय एवं सुगंध पौधों पर तकनीकी प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

अमृतकाल संवाददाता।

प्रयागराज।
भा.वा.अ.शि.प. पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केन्द्र, प्रयागराज तथा सी.एस.आई.आर.सीमैप लखनऊ के संयुक्त तत्वावधान में शुक्रवार को सी.एस.आई.आर एरोमा मिशन परियोजना तथा सिडबी सह परियोजना के अन्तर्गत ҺҺआर्थिक रूप से महत्वपूर्ण औषधीय एवं सुगंध पौधोंҺҺ विषय पर एक दिवसीय कौशल सह तकनीकी प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन केन्द्र की अनुसंधान पौधशाला, पड़िला में किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ मुख्य अतिथि अनिल कुमार शर्मा, असिस्टेंट जनरल मैनेजर नाबार्ड, प्रयागराज सीमैप के प्रधान वैज्ञानिकगण एवं केन्द्र प्रमुख डॉ.संजय सिंह ने दीप प्रज्वलन कर किया। मुख्य अतिथि ने उपस्थित प्रतिभागियों को सम्बोधित करते हुये कहा कि औषधीय और सुगंधित पौधों की मूल्य श्रृंखला के हर चरण का समर्थन करने वाला एक मजबूत पारिस्थितिकी तंत्र बनाना आवश्यक है, जो व्यक्तियों और संस्थाओं की सहभागिता से सम्भव होगाकेन्द्र प्रमुख डॉ.सिंह ने स्वागत भाषण में आयोजित कार्यक्रम पर चर्चा करते हुए एरोमा मिशन परियोजना तथा सिडबी सह परियोजना के मुख्य उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य किसानों को औषधीय एवं सगंध पौधों की खेती के प्रति जागरूक करना तथा उनकी आय में वृद्धि करना तथा कौशल विकास के माध्यम से आय में बढ़ोत्तरी के अवसर प्रदान करना है। केन्द्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अनीता तोमर ने कार्यक्रम की रूपरेखा से अवगत कराते हुए केन्द्र के उद्देश्य एवं गतिविधियों पर प्रकाश डाला। वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक सीमैप डॉ. संजय कुमार ने सुगंधित घासों के उत्पादन की उन्नत कृषि क्रियाओं पर चर्चा करते हुए बताया कि भारतवर्ष में एरोमा मिशन के अंतर्गत ३६,००० हेक्टेयर से अधिक क्षेत्रफल में सुगंधित फसलों की खेती को बढ़ावा दिया गया है। इसी क्रम में सीमैप के डॉ.रमेश कुमार श्रीवास्तव ने गुलाब, जिरेनियम तथा कैमोमिल की उत्पादन की उन्नत कृषि क्रियाओं पर तथा केन्द्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ.अनुभा श्रीवास्तव ने कृषकों की आर्थिक समृद्धि हेतु सदाबहार की खेती पर जानकारी साझा की। सीमैप के राम प्रवेश यादव ने कालमेघ एवं सतावर के उत्पादन की उन्नत कृषि पद्धति के विषय में जानकारी दी। डॉ.अनीता तोमर ने कृषकों की आर्थिक समुद्धि हेतु चन्दन को लगाने तथा उससे होने वाले लाभ पर व्याख्यान दिया। अंतिम सत्र में सीमैप के डॉ.रमेश कुमार श्रीवास्तव ने फूलों से अगरबत्ती बनाने की जानकारी देते हुए महिला प्रतिभागियों को अगरबत्ती बनाने हेतु प्रशिक्षित किया। उपस्थित प्रतिभागियों को पौधशाला भ्रमण वैज्ञानिक आलोक यादव द्वारा कराया गया। जिसमें विभिन्न औषधीय पौधों की व्यावहारिक जानकारी दी गई। कार्यक्रम में केन्द्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. कुमुद दूबे, वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी डॉ. एस.डी शुक्ला, रतन गुप्ता, तकनीकी सहायक धर्मेन्द्र कुमार के साथ १०० से अधिक कृषक एवं शोध छात्र उपस्थित रहे।

औषधीय और सुगंधित पौधों की मूल्य श्रृंखला एक मजबूत पारिस्थितिकी तंत्र बनानाः अनिल शर्मा

▶▶ पाडिला में औषधीय एवं सुगंध पौधों पर तकनीकी प्रशिक्षण आयोजित

तिजारत संवाददाता

प्रयागराज। भा.वा.अ.शि.प.-पारिस्थितिक पुनस्र्थापन केन्द्र, प्रयागराज तथा सीएसआईआर.-सीमैप, लखनऊ के संयुक्त तत्वाधान में शुक्रवार को सीएसआईआर.-एरोमा मिशन परियोजना तथा सिडबी सह-परियोजना के अन्तर्गत ''आर्थिक रूप से महत्वपूर्ण औषधीय एवं सुगंध पौधों'' विषय पर एक दिवसीय कौशल-सह-तकनीकी प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन केन्द्र की अनुसंधान पौधशाला, पडिला में आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ चीफ गेस्ट व केंद्र प्रमुख द्वारा दीप प्रज्जवलन के साथ किया गया। एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में उपस्थित प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए बतौर मुख्य अतिथि अनिल कुमार शर्मा ने कहा कि औषधीय और सुगंधित पौधों की मूल्य श्रृंखला के हर चरण का समर्थन करने वाला एक मजबूत पारिस्थितिकी तंत्र बनाना आवश्यक है, जो व्यक्तियों और संस्थाओं की सहभागिता से संभव होगा। केन्द्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अनीता तोमर ने आयोजित कार्यक्रम की रूपरेखा से अवगत कराते हुए केन्द्र के उद्देश्य एवं गतिविधियों पर प्रकाश डाला। वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक, सीमैप, डॉ. संजय कुमार ने सुगंधित घासों के उत्पादन की उन्नत कृषि क्रियाओं पर विस्तृत चर्चा करते हुए, उन्होंने बताया कि भारतवर्ष में एरोमा मिशन के अंतर्गत 36000 हेक्टेयर से अधिक क्षेत्रफल में सुगंधित फसलों की खेती को बढ़ावा दिया गया है।इसी क्रम में सीमैप के डॉ. रमेश कुमार श्रीवास्तव ने गुलाब, जिरेनियम तथा कैमोमिल की उत्पादन की उन्नत कृषि क्रियाओं पर तथा केन्द्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अनुभा श्रीवास्तव ने कृषकों की आर्थिक समृद्धि हेतु सदाबहार की खेती विषय पर जानकारी साझा की। सीमैप के राम प्रवेश यादव ने कालमेघ एवं सतावर के उत्पादन की उन्नत कृषि पद्धति के विषय में जानकारी दी। डॉ. अनीता तोमर ने कृष?कों की आर्थिक समुद्धि हेतु चन्दन को लगाने तथा उससे होने वाले लाभ पर व्याख्यान दिया। अंतिम सत्र में सीमैप के डॉ. रमेश कुमार श्रीवास्तव ने फूलों से अगरबत्ती बनाने के विषय में जानकारी देते हुए महिला प्रतिभागियों को अगरबत्ती बनाने हेतु प्रशिक्षित किया। केन्द्र प्रमुख डॉ. सिंह ने स्वागत भाषण में आयोजित कार्यक्रम पर चर्चा करते हुए एरोमा मिशन परियोजना तथा सिडबी सह-परियोजना के मुख्य उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य किसानों को औषधीय एवं सगंध पौधों की खेती के प्रति जागरूक करना तथा उनकी आय में वृद्धि करना है तथा कौशल विकास के माध्यम से आय में बढ़ोत्तरी के अवसर प्रदान करना है। उक्त अवसर पर उपस्थित प्रतिभागियों को पौधशाला भ्रमण वैज्ञानिक आलोक यादव के द्वारा कराया गया, जिसमें विभिन्न औषधीय पौधों की व्यावहारिक जानकारी दी गई। कार्यक्रम में केन्द्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. कुमुद दूबे, वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी डॉ. एस. डी. शुक्ला, रतन गुप्ता, तकनीकी सहायक धर्मेन्द्र कुमार के साथ सौ से अधिक कृषक एवं शोध छात्र उपस्थित रहे।

एरोमा मिशन परियोजना एवं सिड्बी सह परियोजना अंतर्गत कौशल सह प्रशिक्षण कार्यक्रम हुआ संपन्न

औषधीय एवं सुगंध पौधों पर तकनीकी प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

थरवई प्रयागराज

शुक्रवार को थरवई अन्तर्गत अनुसंधान पौधशाला केंद्र पड़िला में एरोमा मिशन के तहत किसानों को कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम तहत औषधीय एवं सुगन्धित पौधों से किस प्रकार से अपने स्वयं से एक स्व रोजगार का अवसर प्रदान कर अपना जीविकोपार्जन भी कर सकते हैं एवं एक अच्छे व्यापार भी कर सकते हैं जिसमें कई प्रकार के पौधों को बारे में बड़े ही विस्तार से बताया गया। वहीं मंदिरों आदि में फूल पत्ती चढ़ाने के उपरांत उसे किस प्रकार से उपयोग कर उसका अगरबत्ती बनाते हैं कई महिलाओं को कार्यक्रम के दौरान ही अगरबत्ती बनाने का सफल प्रशिक्षण साबित पाया गया। उपस्थित सभी से आग्रह किया की जो भी महिलाएं हैं घर पर रहती हैं वह अपने घर पर रहते हुए इस अगबत्ती बनाते हुए अपना एक स्वयं का स्व रोजगार चला सकती हैं वहीं वहीं किसानों को कई प्रकार के महत्वपूर्ण पौधों की खेती कर एक अच्छा व सफर व्यापार किया जा सकता है जो अच्छा व्यापार साबित हो सकता है। दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का हुआ शुभराम्भ करते हुए सभी अतिथियों को हरे पौधे भेंट के रूप में देते हुए उनका सम्मान बढ़ाया। सी. एस. आई. आर. एरोमा मिशन परियोजना तथा सिडबी सह-परियोजना के अन्तर्गत आर्थिक रूप से महत्वपूर्ण औषधीय एवं सुगंध पौधों%% विषय पर एक दिवसीय कौशल सह - तकनीकी प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन केन्द्र की अनुसंधान पौधशाला, पड़िला प्रयागराज में किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अनिल कुमार शर्मा, असिस्टेंट जनरल मैनेजर, नाबार्ड, प्रयागराज, सीमैप के प्रधान वैज्ञानिक गण एवं केन्द्र प्रमुख डॉ. संजय सिंह द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ आरम्भ हुआ। केन्द्र प्रमुख डॉ. सिंह ने स्वागत भाषण में आयोजित कार्यक्रम पर चर्चा करते हुए एरोमा मिशन परियोजना तथा सिडबी सह-परियोजना के मुख्य उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य किसानों को औषधीय एवं सगंध पौधों की खेती के प्रति जागरूक करना तथा उनकी आय में वृद्धि करना है तथा कौशल विकास के माध्यम से आय में बढ़ोत्तरी के अवसर प्रदान करना है। मुख्य अतिथि अनिल कुमार शर्मा ने उपस्थित प्रतिभागियों को सम्बोधित करते हुये कहा कि औषधीय और सुगंधित पौधों की मूल्य श्रृंखला के हर चरण का समर्थन करने वाला एक मजबूत पारिस्थितिकी तंत्र बनाना आवश्यक है, जो व्यक्तियों और संस्थाओं की सहभागिता से संभव होगा। केन्द्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अनीता तोमर ने आयोजित कार्यक्रम की रूपरेखा से अवगत कराते हुए केन्द्र के उद्देश्य एवं गतिविधियों पर प्रकाश डाला।वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक, सीमैप, डॉ. संजय कुमार ने सुगंधित घासों के उत्पादन की उन्नत कृषि क्रियाओं पर विस्तृत चर्चा करते हुए, उन्होंने बताया कि भारतवर्ष में एरोमा मिशन के अंतर्गत 36000 हेक्टेयर से अधिक क्षेत्रफल में सुगंधित फसलों की खेती को बढ़ावा दिया गया है इसी क्रम में सीमैप के डॉ. रमेश कुमार श्रीवास्तव ने गुलाब, जिरेनियम तथा कैमोमिल की उत्पादन की उन्नत कृषि क्रियाओं पर तथा केन्द्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अनुभा श्रीवास्तव ने कृषकों की आर्थिक समृद्धि हेतु सदाबहार की खेती विषय पर जानकारी साझा की। सीमैप के राम प्रवेश यादव ने कालमेघ एवं सतावर के उत्पादन की उन्नत कृषि पद्धति के विषय में जानकारी दी। डॉ. अनीता तोमर ने कृष ?कों की आर्थिक समृद्धि हेतु चन्दन को लगाने तथा उससे होने वाले लाभ पर व्याख्यान दिया। अंतिम सत्र में सीमैप के डॉ. रमेश कुमार श्रीवास्तव ने फूलों से अगरबत्ती बनाने के विषय में जानकारी देते हुए महिला प्रतिभागियों को अगरबत्ती बनाने हेतु प्रशिक्षित किया। उपस्थित प्रतिभागियों को पौधशाला भ्रमण वैज्ञानिक आलोक यादव के द्वारा कराया गया, जिसमें विभिन्न औषधीय पौधों की व्यावहारिक जानकारी दी गई। कार्यक्रम में केन्द्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. कुमुद दूबे, वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी डॉ. एस. डी. शुक्ला, रतन गुप्ता, तकनीकी सहायक धर्मेन्द्र कुमार के साथ 100 से अधिक कृषक एवं शोध छात्र उपस्थित रहे।

औषधीय एवं सुगंध पौधों पर तकनीकी प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

(सहजसत्ता संवाददाता)

प्रयागराज।भा.वा.अ.शि.प.- पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केन्द्र, प्रयागराज तथा सी.एस.आई.आर.-सीमैप, लखनऊ के संयुक्त तत्वाधान में दिनांक 23.08.2024 को सी.एस.आई.आर.-एरोमा मिशन परियोजना तथा सिडबी सह-परियोजना के अन्तर्गत "आर्थिक रूप से महत्वपूर्ण औषधीय एवं सुगंध पौधों" विषय पर एक दिवसीय कौशल-सह-तकनीकी प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन केन्द्र की अनुसंधान पौधशाला, पडिला, प्रयागराज में किया गया। कार्यक्रम मुख्य अतिथि अनिल कुमार शर्मा, असिस्टेंट जनरल मैनेजर, नाबार्ड, प्रयागराज, सीमैप के प्रधान वैज्ञानिक गण एवं केन्द्र प्रमुख डॉ. संजय सिंह द्वारा दीप प्रज्ज्वलन के साथ आरम्भ हुआ। केन्द्र प्रमुख डॉ. सिंह ने स्वागत भाषण में आयोजित कार्यक्रम पर चर्चा करते हुए एरोमा मिशन परियोजना तथा सिडबी सह-परियोजना के मुख्य उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य किसानों को औषधीय एवं सगंध पौधों की खेती के प्रति जागरूक करना तथा उनकी आय में वृद्धि करना है तथा कौशल विकास के माध्यम से आय में बढ़ोत्तरी के अवसर प्रदान करना है। मुख्य अतिथि अनिल कुमार शर्मा ने उपस्थित प्रतिभागियों को सम्बोधित करते हुये कहा कि औषधीय और सुगंधित पौधों की मूल्य श्रृंखला के हर चरण का समर्थन करने वाला एक मजबूत पारिस्थितिकी तंत्र बनाना आवश्यक है, जो व्यक्तियों और संस्थाओं की सहभागिता से संभव होगा। केन्द्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अनीता तोमर ने

आयोजित कार्यक्रम की रूपरेखा से अवगत कराते हुए केन्द्र के उद्देश्य एवं गतिविधियों पर प्रकाश डाला।वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक, सीमैप, डॉ. संजय कुमार ने सुगंधित घासों के उत्पादन की उन्नत कृषि क्रियाओं पर विस्तृत चर्चा करते हुए, उन्होंने बताया कि भारतवर्ष में एरोमा मिशन के अंतर्गत 36000 हेक्टेयर से अधिक क्षेत्रफल में सुगंधित फसलों की खेती को बढ़ावा दिया गया है।इसी क्रम में सीमैप के डॉ. रमेश कुमार श्रीवास्तव ने गुलाब, जिरेनियम तथा कैमोमिल की उत्पादन की उन्नत कृषि क्रियाओं पर तथा केन्द्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अनुभा श्रीवास्तव ने वृ?षकों की आर्थिक समृद्धि हेतु सदाबहार की खेती विषय पर जानकारी साझा की। सीमैप के राम प्रवेश यादव ने कालमेघ एवं सतावर के उत्पादन की उन्नत कृषि पद्धति के विषय में जानकारी दी। डॉ. अनीता तोमर ने कृष?कों की आर्थिक समुद्धि हेतु चन्दन को लगाने तथा उससे होने वाले लाभ पर व्याख्यान दिया। अंतिम सत्र में सीमैप के डॉ. रमेश कुमार श्रीवास्तव ने फूलों से अगरबत्ती बनाने के विषय में जानकारी देते हुए महिला प्रतिभागियों को अगरबत्ती बनाने हेतु प्रशिक्षित किया। उपस्थित प्रतिभागियों को पौधशाला भ्रमण वैज्ञानिक आलोक यादव के द्वारा कराया गया, जिसमें विभिन्न औषधीय पौधों की व्यावहारिक जानकारी दी गई। कार्यक्रम में केन्द्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. कुमुद दूबे, वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी डॉ. एस. डी. शुक्ला, रतन गुप्ता, तकनीकी सहायक धर्मेन्द्र कुमार के साथ 100 से अधिक कृषक एवं शोध छात्र उपस्थित रहे।

औषधीय पौधों के बारे में दी जानकारी

वन अनुसंधान केंद्र की पड़िला पौधशाला में औषधीय एवं सुगंधित पौधों पर आयोजित कार्यशाला में जुटे विज्ञानी। • हिन्दुस्तान

प्रयागराज, वरिष्ठ संवाददाता। वन अनुसंधान केंद्र की पड़िला पौधशाला में औषधीय एवं सुगंधित पौधों के विषय पर एक दिनी कार्यशाला का आयोजन शुक्रवार को हुआ।

वन अनुसंधान केंद्र व सीएसआईआर लखनऊ की ओर से हुए प्रशिक्षण कार्यक्रम में केंद्र प्रमुख डॉ. संजय सिंह ने एरोमा मिशन परियोजना व सिडबी सह-परियोजना के मुख्य उद्देश्यों पर प्रकाश डाला।

मुख्य अतिथि अनिल कुमार शर्मा ने उपस्थित प्रतिभागियों से कहा कि औषधीय और सुगंधित पौधों की मूल्य शृंखला के हर चरण का समर्थन करने वाला एक मजबूत पारिस्थितिकी तंत्र बनाना आवश्यक है। वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अनीता तोमर, वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक सीमैप, डॉ. संजय कुमार ने भी जानकारी दी। सीमैप के डॉ. रमेश कुमार श्रीवास्तव, वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अनुभा श्रीवास्तव, राम प्रवेश यादव आदि मौजूद रहे। अंतिम सत्र में सीमैप के डॉ. रमेश कुमार श्रीवास्तव ने फूलों से अगरबत्ती बनाने के विषय में जानकारी दी। मुख्य अतिथि असिस्टेंट जीएम नाबार्ड अनिल कुमार शर्मा, सीमैप के प्रधान वैज्ञानिकों व केंद्र प्रमुख डॉ. संजय सिंह ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत की।

औषधीय एवं सुगंध पौधों पर तकनीकी प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

इलाहाबाद एक्सप्रेस

प्रयागराज। भा.वा.अ.शि.प. पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केन्द्र, प्रयागराज तथा सी.एस.आई.आर.सीमैप लखनऊ के संयुक्त तत्वावधान में शुक्रवार को सी.एस.आई.आर एरोमा मिशन परियोजना तथा सिडबी सह परियोजना के अन्तर्गत ''आर्थिक रूप से महत्वपूर्ण औषधीय एवं सुगंध पौधों'' विषय पर एक दिवसीय कौशल सह तकनीकी प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन केन्द्र की अनुसंधान पौधशाला, पड़िला में किया गया।

कार्यक्रम का शुभारम्भ मुख्य अतिथि अनिल कुमार शर्मा, असिस्टेंट जनरल मैनेजर नाबार्ड, प्रयागराज सीमैप के प्रधान वैज्ञानिकगण एवं केन्द्र प्रमुख डॉ.संजय सिंह ने दीप प्रज्ज्वलन कर किया। मुख्य अतिथि ने उपस्थित प्रतिभागियों को सम्बोधित करते हुये कहा कि औषधीय और सुगंधित पौधों की मूल्य श्रृंखला के हर चरण का समर्थन करने वाला एक मजबूत पारिस्थितिकी तंत्र बनाना आवश्यक है, जो व्यक्तियों और संस्थाओं की सहभागिता से सम्भव होगा।

केन्द्र प्रमुख डॉ.सिंह ने स्वागत भाषण में आयोजित कार्यक्रम पर चर्चा करते हुए एरोमा मिशन परियोजना तथा सिडबी सह परियोजना के मुख्य उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य किसानों को औषधीय एवं सगंध पौधों की खेती के प्रति जागरूक करना तथा उनकी आय में वृद्धि करना तथा कौशल विकास के माध्यम से आय में बढ़ोत्तरी के अवसर प्रदान करना है।

केन्द्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अनीता तोमर ने कार्यक्रम की रूपरेखा से अवगत कराते हुए केन्द्र के उद्देश्य एवं गतिविधियों पर प्रकाश डाला। वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक सीमैप डॉ. संजय कुमार ने सुगंधित घासों के उत्पादन की उन्नत कृषि क्रियाओं पर चर्चा करते हुए बताया कि भारतवर्ष में एरोमा मिशन के अंतर्गत 36,000 हेक्टेयर से अधिक क्षेत्रफल में सुगंधित फसलों की खेती को बढ़ावा दिया गया है। इसी क्रम में सीमैप के डॉ.रमेश कुमार श्रीवास्तव ने गुलाब, जिरेनियम तथा कैमोमिल की उत्पादन की उन्नत कृषि क्रियाओं पर तथा केन्द्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ.अनुभा श्रीवास्तव ने कृषकों की आर्थिक समृद्धि हेतु सदाबहार की खेती पर जानकारी साझा की।

सीमैप के राम प्रवेश यादव ने कालमेघ एवं सतावर के उत्पादन की उन्नत कृषि पद्धति के विषय में जानकारी दी। डॉ.अनीता तोमर ने कृषकों की आर्थिक समुद्धि हेतु चन्दन को लगाने तथा उससे होने वाले लाभ पर व्याख्यान दिया। अंतिम सत्र में सीमैप के डॉ.रमेश कुमार श्रीवास्तव ने फूलों से अगरबत्ती बनाने की जानकारी देते हुए महिला प्रतिभागियों को अगरबत्ती बनाने हेतु प्रशिक्षित किया। उपस्थित प्रतिभागियों को पौधशाला भ्रमण वैज्ञानिक आलोक यादव द्वारा कराया गया। जिसमें विभिन्न औषधीय पौधों की व्यावहारिक जानकारी दी गई। कार्यक्रम में केन्द्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. कुमुद दूबे, वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी डॉ. एस.डी शुक्ला, रतन गुप्ता, तकनीकी सहायक धर्मेन्द्र कुमार के साथ 100 से अधिक कृषक एवं शोध छात्र उपस्थित रहे।

औषधीय एवं सुगंध पौधों पर तकनीकी प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

वॉइस ऑफ इलाहाबाद

प्रयागराज (हि.स.)। भा.वा.अ.शि.प. पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केन्द्र, प्रयागराज तथा सी.एस.आई.आर.सीमैप लखनऊ के संयुक्त तत्वावधान में शुक्रवार को सी.एस.आई.आर एरोमा मिशन परियोजना तथा सिडबी सह परियोजना के अन्तर्गत ''आर्थिक रूप से महत्वपूर्ण औषधीय एवं सुगंध पौधों'' विषय पर एक दिवसीय कौशल सह तकनीकी प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन केन्द्र की अनुसंधान पौधशाला, पड़िला में किया गया।

कार्यक्रम का शुभारम्भ मुख्य अतिथि अनिल कुमार शर्मा, असिस्टेंट जनरल मैनेजर नाबार्ड, प्रयागराज सीमैप के प्रधान वैज्ञानिकगण एवं केन्द्र प्रमुख डॉ.संजय सिंह ने दीप प्रज्ज्वलन कर किया। मुख्य अतिथि ने उपसथित प्रतिभागियों को सम्बोधित करते हुये कहा कि औषधीय और सुगंधित पौधों की मूल्य श्रृंखला के हर चरण का समर्थन करने वाला एक मजबूत पारिस्थितिकी तंत्र बनाना आवश्यक है, जो व्यक्तियों और संस्थाओं की सहभागिता से सम्भव होगा।

केन्द्र प्रमुख डॉ.सिंह ने स्वागत भाषण में आयोजित कार्यक्रम पर चर्चा करते हुए एरोमा मिशन परियोजना तथा सिडबी सह परियोजना के मुख्य उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य किसानों को औषधीय एवं सगंध पौधों की खेती के प्रति जागरूक करना तथा उनकी आय में वृद्धि करना तथा कौशल विकास के माध्यम से आय में बढ़ोत्तरी के अवसर प्रदान करना है।

केन्द्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अनीता तोमर ने कार्यक्रम की रूपरेखा से अवगत कराते हुए केन्द्र के उद्देश्य एवं गतिविधियों पर प्रकाश डाला। वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक सीमैप डॉ. संजय कुमार ने सुगंधित घासों के उत्पादन की उन्नत कृषि क्रियाओं पर चर्चा करते हुए बताया कि भारतवर्ष में एरोमा मिशन के अंतर्गत 36,000 हेक्टेयर से अधिक क्षेत्रफल में सुगंधित फसलों की खेती को बढ़ावा दिया गया है। इसी क्रम में सीमैप के डॉ.रमेश कुमार श्रीवास्तव ने गुलाब, जिरेनियम तथा कैमोमिल की उत्पादन की उन्नत कृषि क्रियाओं पर तथा केन्द्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ.अनुभा श्रीवास्तव ने कृषकों की आर्थिक समृद्धि हेतु सदाबहार की खेती पर जानकारी साझा की।

हिन्दी दैनिक
कौशाम्बी टाइम्स
KT KAUSHAMBI TIMES
प्रयागराज, शनिवार, 24 अगस्त, 2024

औषधीय एवं सुगंध पौधों पर तकनीकी प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

किसानों की आर्थिक समृद्ध में चंदन का पेड़ सहायक हो सकता है- डॉ0 अनीता तोमर

कृषकों की आर्थिक समृद्धि हेतु सदाबहार की खेती लाभदायक - डॉ0 अनुभा श्रीवास्तव

कार्यालय संवाददाता

प्रयागराज। भा.वा.अ.शि.प.-पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केन्द्र, प्रयागराज तथा सी.एस.आई.आर.-सीमैप, लखनऊ के संयुक्त तत्वाधान में सी.एस.आई.आर.-एरोमा मिशन परियोजना तथा सिडबी सह-परियोजना के अन्तर्गत ''आर्थिक रूप से महत्वपूर्ण औषधीय एवं सुगंध पौधों'' विषय पर एक दिवसीय कौशल-सह-तकनीकी प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन केन्द्र की अनुसंधान पौधशाला, पडिला, प्रयागराज में किया गया। कार्यक्रम मुख्य अतिथि अनिल कुमार शर्मा, असिस्टेंट जनरल मैनेजर, नाबार्ड, प्रयागराज, सीमैप के प्रधान वैज्ञानिक गण एवं केन्द्र प्रमुख डॉ. संजय सिंह द्वारा दीप प्रज्जवलन के साथ आरम्भ हुआ। केन्द्र प्रमुख डॉ. सिंह ने स्वागत भाषण में आयोजित कार्यक्रम पर चर्चा करते हुए एरोमा मिशन परियोजना तथा सिडबी सह-परियोजना के मुख्य उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य किसानों को औषधीय एवं सगंध पौधों की खेती के प्रति जागरूक करना तथा उनकी आय में वृद्धि करना है तथा कौशल विकास के माध्यम से आय में बढ़ोत्तरी के अवसर प्रदान करना है। मुख्य अतिथि अनिल कुमार शर्मा ने उपस्थित प्रतिभागियों को सम्बोधित करते हुये कहा कि औषधीय और सुगंधित पौधों की मूल्य श्रृंखला के हर चरण का समर्थन करने वाला एक मजबूत पारिस्थितिकी तंत्र बनाना आवश्यक है, जो व्यक्तियों और संस्थाओं की सहभागिता से संभव होगा।

केन्द्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अनीता तोमर ने आयोजित कार्यक्रम की रूपरेखा से अवगत कराते हुए केन्द्र के उद्देश्य एवं गतिविधियों पर प्रकाश डाला।वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक, सीमैप, डॉ. संजय कुमार ने सुगंधित घासों के उत्पादन की उन्नत कृषि क्रियाओं पर विस्तृत चर्चा करते हुए, उन्होंने बताया कि भारतवर्ष में एरोमा मिशन के अंतर्गत 36000 हेक्टेयर से अधिक क्षेत्रफल में सुगंधित फसलों की खेती को बढ़ावा दिया गया है।इसी क्रम में सीमैप के डॉ. रमेश कुमार श्रीवास्तव ने गुलाब, जिरेनियम तथा कैमोमिल की उत्पादन की उन्नत कृषि क्रियाओं पर तथा केन्द्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अनुभा श्रीवास्तव ने कृषकों की आर्थिक समृद्धि हेतु सदाबहार की खेती विषय पर जानकारी साझा की। सीमैप के राम प्रवेश यादव ने कालमेघ एवं सतावर के उत्पादन की उन्नत कृषि पद्धति के विषय में जानकारी दी। डॉ. अनीता तोमर ने कृष?कों की आर्थिक समुद्धि हेतु चन्दन को लगाने तथा उससे होने वाले लाभ पर व्याख्यान दिया। अंतिम सत्र में सीमैप के डॉ. रमेश कुमार श्रीवास्तव ने फूलों से अगरबत्ती बनाने के विषय में जानकारी देते हुए महिला प्रतिभागियों को अगरबत्ती बनाने हेतु प्रशिक्षित किया। उपस्थित प्रतिभागियों को पौधशाला भ्रमण वैज्ञानिक आलोक यादव के द्वारा कराया गया, जिसमें विभिन्न औषधीय पौधों की व्यावहारिक जानकारी दी गई। कार्यक्रम में केन्द्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. कुमुद दूबे, वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी डॉ. एस. डी. शुक्ला, रतन गुप्ता, तकनीकी सहायक धर्मेन्द्र कुमार के साथ 100 से अधिक कृषक एवं शोध छात्र उपस्थित रहे।

A!N भारत

औषधीय एवं सुगंध पौधों पर तकनीकी प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

1 min read

4 days ago

भा.वा.अ.शि.प.-पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केन्द्र, प्रयागराज तथा सी.एस.आई.आर.-सीमैप, लखनऊ के संयुक्त तत्वाधान में दिनांक 23.08.2024 को सी.एस.आई.आर.-एरोमा मिशन परियोजना तथा सिडबी सह-परियोजना के अन्तर्गत "आर्थिक रूप से महत्वपूर्ण औषधीय एवं सुगंध पौधों" विषय पर एक दिवसीय कौशल-सह-तकनीकी प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन केन्द्र की अनुसंधान पौधशाला, पडिला, प्रयागराज में किया गया। कार्यक्रम मुख्य अतिथि अनिल कुमार शर्मा, असिस्टेंट जनरल मैनेजर, नाबार्ड, प्रयागराज, सीमैप के प्रधान वैज्ञानिक गण एवं केन्द्र प्रमुख डॉ. संजय सिंह द्वारा दीप प्रज्जवलन के साथ आरम्भ हुआ। केन्द्र प्रमुख डॉ. सिंह ने स्वागत भाषण में आयोजित कार्यक्रम पर चर्चा करते हुए एरोमा मिशन परियोजना तथा सिडबी सह-परियोजना के मुख्य उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य किसानों को औषधीय एवं सगंध पौधों की खेती के प्रति जागरूक करना तथा उनकी आय में वृद्धि करना है तथा कौशल विकास के माध्यम से आय में बढ़ोतरी के अवसर प्रदान करना है। मुख्य अतिथि अनिल कुमार शर्मा ने उपस्थित प्रतिभागियों को सम्बोधित करते हुये कहा कि औषधीय और सुगंधित पौधों की मूल्य श्रृंखला के हर चरण का समर्थन करने वाला एक मजबूत पारिस्थितिकी तंत्र बनाना आवश्यक है, जो व्यक्तियों और संस्थाओं की सहभागिता से संभव होगा। केन्द्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अनीता तोमर ने आयोजित कार्यक्रम की रूपरेखा से अवगत कराते हुए केन्द्र के उद्देश्य एवं गतिविधियों पर प्रकाश डाला।वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक, सीमैप, डॉ. संजय कुमार ने सुगंधित घासों के उत्पादन की उन्नत कृषि क्रियाओं पर विस्तृत चर्चा करते हुए, उन्होंने बताया कि भारतवर्ष में एरोमा मिशन के अंतर्गत 36000 हेक्टेयर से अधिक क्षेत्रफल में सुगंधित फसलों की खेती को बढ़ावा दिया गया है।इसी क्रम में सीमैप के डॉ. रमेश कुमार श्रीवास्तव ने गुलाब, जिरेनियम तथा कैमोमिल की उत्पादन की उन्नत कृषि क्रियाओं पर तथा केन्द्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अनुभा श्रीवास्तव ने कृषकों की आर्थिक समृद्धि हेतु सदाबहार की खेती विषय पर जानकारी साझा की। सीमैप के राम प्रवेश यादव ने कालमेघ एवं सतावर के उत्पादन की उन्नत कृषि पद्धति के विषय में जानकारी दी। डॉ. अनीता तोमर ने कृषकों की आर्थिक समुद्धि हेतु चन्दन को लगाने तथा उससे होने वाले लाभ पर व्याख्यान दिया। अंतिम सत्र में सीमैप के डॉ. रमेश कुमार श्रीवास्तव ने फूलों से अगरबत्ती बनाने के विषय में जानकारी देते हुए महिला प्रतिभागियों को अगरबत्ती बनाने हेतु प्रशिक्षित किया। उपस्थित प्रतिभागियों को पौधशाला भ्रमण वैज्ञानिक आलोक यादव के द्वारा कराया गया, जिसमें विभिन्न औषधीय पौधों की व्यावहारिक जानकारी दी गई। कार्यक्रम में केन्द्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. कुमुद दूबे, वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी डॉ. एस. डी. शुक्ला, रतन गुप्ता, तकनीकी सहायक धर्मेन्द्र कुमार के साथ 100 से अधिक कृषक एवं शोध छात्र उपस्थित रहे।

औषधीय एवं सुगंध पौधों पर तकनीकी प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

कार्यक्रम

किसानों की आर्थिक समृद्ध में चंदन का पेड़ सहायक हो सकता है : डॉ० अनीता तोमर

कृषकों की आर्थिक समृद्धि हेतु सदाबहार की खेती लाभदायक : डॉ० अनुभा श्रीवास्तव

दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ करते मुख्य अतिथि

कार्यक्रम में उपस्थित लोग

नैनी। भा.वा.अ.शि.प.-पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केन्द्र, प्रयागराज तथा सी.एस.आई.आर.-सीमैप, लखनऊ के संयुक्त तत्वाधान में सी.एस.आई.आर.- एरोमा मिशन परियोजना तथा सिडबी सह-परियोजना के अन्तर्गत "आर्थिक रूप से महत्वपूर्ण औषधीय एवं सुगंध पौधों" विषय पर एक दिवसीय कौशल-सह-तकनीकी प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन केन्द्र की अनुसंधान पौधशाला, पडिला, प्रयागराज में किया गया। कार्यक्रम मुख्य अतिथि अनिल कुमार शर्मा, असिस्टेंट जनरल मैनेजर, नाबार्ड, प्रयागराज, सीमैप के प्रधान वैज्ञानिक गण एवं केन्द्र प्रमुख डॉ. संजय सिंह द्वारा दीप प्रज्जवलन के साथ आरम्भ हुआ। केन्द्र प्रमुख डॉ. सिंह ने स्वागत भाषण में आयोजित कार्यक्रम पर चर्चा करते हुए एरोमा मिशन परियोजना तथा सिडबी सह-परियोजना के मुख्य उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य किसानों को औषधीय एवं सुगंध पौधों की खेती के प्रति जागरूक करना तथा उनकी आय में वृद्धि करना है तथा कौशल विकास के माध्यम से आय में बढ़ोत्तरी के अवसर प्रदान करना है। मुख्य अतिथि अनिल कुमार शर्मा ने उपस्थित प्रतिभागियों को सम्बोधित करते हुये कहा कि औषधीय और सुगंधित पौधों की मूल्य श्रृंखला के हर चरण का समर्थन करने वाला एक मजबूत पारिस्थितिकी तंत्र बनाना आवश्यक है, जो व्यक्तियों और संस्थाओं की सहभागिता से संभव होगा। केन्द्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अनीता तोमर ने आयोजित कार्यक्रम की रूपरेखा से अवगत कराते हुए केन्द्र के उद्देश्य एवं गतिविधियों पर प्रकाश डाला।वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक, सीमैप, डॉ. संजय कुमार ने सुगंधित घासों के उत्पादन की उन्नत कृषि क्रियाओं पर विस्तृत चर्चा करते हुए, उन्होंने बताया कि भारतवर्ष में एरोमा मिशन के अंतर्गत 36000 हेक्टेयर से अधिक क्षेत्रफल में सुगंधित फसलों की खेती को बढ़ावा दिया गया है।इसी क्रम में सीमैप के डॉ. रमेश कुमार श्रीवास्तव ने गुलाब, जिरेनियम तथा कैमोमिल की उत्पादन की उन्नत कृषि क्रियाओं पर तथा केन्द्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अनुभा श्रीवास्तव ने कृषकों की आर्थिक समृद्धि हेतु सदाबहार की खेती विषय पर जानकारी साझा की। सीमैप के राम प्रवेश यादव ने कालमेघ एवं सतावर के उत्पादन की उन्नत कृषि पद्धति के विषय में जानकारी दी। डॉ. अनीता तोमर ने कृष?कों की आर्थिक समृद्धि हेतु चन्दन को लगाने तथा उससे होने वाले लाभ पर व्याख्यान दिया। अंतिम सत्र में सीमैप के डॉ. रमेश कुमार श्रीवास्तव ने फूलों से अगरबत्ती बनाने के विषय में जानकारी देते हुए महिला प्रतिभागियों को अगरबत्ती बनाने हेतु प्रशिक्षित किया। उपस्थित प्रतिभागियों को पौधशाला भ्रमण वैज्ञानिक आलोक यादव के द्वारा कराया गया, जिसमें विभिन्न औषधीय पौधों की व्यावहारिक जानकारी दी गई। कार्यक्रम में केन्द्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. कुमुद दूबे, वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी डॉ. एस. डी. शुक्ला, रतन गुप्ता, तकनीकी सहायक धर्मेन्द्र कुमार के साथ 100 से अधिक कृषक एवं शोध छात्र उपस्थित रहे।